www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–03 मार्च –2024

इस अंक में...

- ई-समिट 2024 P. 2
- शैक्षणिक भ्रमण P. 2
- कैंपस प्लेसमेंट P. 2
- मेक्सिको के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया P. 3
- मसाला क्रेता-विक्रेता बैठक P. 3
- किसान मेला 2024 P. 3
- कृषि मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव P. 6
- आर्या क्षेत्रीय कार्यशाला P. 7
- विश्वविद्यालय के नए अधिकारियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे मार्च 2024 का विश्वविद्यालय न्यूज़लेटर प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। विगत माह हमारे विश्वविद्यालय में अनेक उल्लेखनीय गतिविधियों को सम्पन्न किया गया। हमारे समर्पित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को निरन्तर आगे बढ़ाने के प्रयासों को जारी रखा है।

प्रिय पाठकों, हम सभी जानते हैं कि, बाजार की जरूरतों को पूरा करने वाले नवीन समाधानों, उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने की प्रक्रिया हीं उद्यमिता कहलाती है। उद्यमी सामान्यतया वे व्यक्ति होते हैं जो वित्तीय सफलता और सामाजिक मूल्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से नया व्यावसाय अथवा उद्यम प्रारंभ करते हैं। प्राचीन ग्रंथ महाभारत के अनुसार, भी "उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः" ॥ अर्थात कर्म हमेशा उद्यम एवं प्रयासों से सिद्ध होते हैं, न कि केवल इच्छा से"। इसी उद्यमिता कौशल के महत्व को पहचानते हुए, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की हमारी ई-सेल की टीम, डायनेमिक इनोवेटर्स ने 2 से 5 फरवरी, 2024 तक ई-सेल, आईआईटी मुंबई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती कार्यक्रम के एडवांस ट्रैक में द्वितीय स्थान (प्रथम उपविजेता) प्राप्त किया जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें नकद पुरस्कार भी प्राप्त हुआ जो निश्चित हीं उनके मनोबल को बढ़ाएगा तथा भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा।

यह बहुत हर्ष का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय ने विगत माह दो प्रमुख किसान मेलों का सफलतापूर्वक आयोजन क्रमशः पिपराकोठी परिसर तथा पूसा परिसर में किया। ये आयोजन हमारी समयबद्ध योजना, सटीक निष्पादन और उत्कृष्ट संगठनात्मक क्षमता को दर्शाते हैं। पूसा परिसर में "खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर" विषय पर तीन दिवसीय किसान मेले में देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में (सात हजार पांच सौ से अधिक) किसान शामिल हुए और कृषि क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के 174 स्टालों के माध्यम से विभिन्न कृषि तकनीकों, जानकारियों का लाभ उठाए। इस मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से भा. कृ. अनु. प. के संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों के साथ-साथ कई निजी संगठनों ने भाग लिया और अपनी नवीन प्रौद्योगिकियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस महत्वपूर्ण किसान मेले का उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। साथ हीं, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों में श्री राम नाथ ठाकुर, माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा; डॉ. तरूण कुमार, सदस्य, बिहार विधान परिषद, समस्तीपुर; श्री वीरेंद्र कुमार, सदस्य, बिहार विधान सभा, रोसड़ा; श्री सुधांशु शेखर दास, क्षेत्रीय प्रबंधक, पीएनबी, मंडल कार्यालय, पटना; किसान चाची के नाम से मशहूर पद्मश्री राजकुमारी देवी और अन्य सम्मानित गणमान्य लोग शामिल हुए।

विश्वविद्यालय के एक और सफल आयोजन में तीन दिवसीय "आत्मनिर्भर कृषि सह-बागवानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला-2024" का उद्घाटन माननीय संसद सदस्य और पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी में किया गया। साथ हीं नीति आयोग की वरिष्ठ सलाहकार (कृषि) डॉ. नीलम पटेल की उपस्थिति भी रही।

इन सभी आयोजनों को सफलतापूर्वक एवं ससमय संपन्न करना निस्संदेह एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा, परन्तु हमारे विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों ने आयोजनों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपने नियमित कर्तव्यों से भी आगे बढ़कर काम किया। मैं उन सभी को उनके अथक प्रयास के लिए धन्यवाद देता हूँ।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

किसान मेला 2024 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकी नवाचार, उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए वैज्ञानिकों की देखरेख में छात्रों द्वारा विभिन्न प्रोटोटाइप, मॉडल, वीडियो, चार्ट और ग्राफ के माध्यम से औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा प्रदान की गई। इन प्रदर्शनों के आयोजन से न केवल छात्रों की बौद्धिक क्षमताओं में वृद्धि होती है, बल्कि संचार कौशल, आयोजन कौशल तथा अकादमिक सूचना प्रसार के अनुभव भी प्राप्त होते हैं।

यह पूरा अभ्यास छात्रों को अनुसंधान योग्य व्यावहारिक अनुभवों और अंतर्दृष्टि के साथ प्रयोगशाला से किसानों एवं वैज्ञानिकों तक तकनिकी सूचनाओं के आदान-प्रदान की पद्धतियों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। छात्रों के अलावा भाग लेने वाले किसानों को भी विभिन्न शैक्षिक वीडियो, मॉडल, स्टॉल से लाभ हुआ, जिसमें वैज्ञानिकों और छात्रों के परस्पर संवाद के साथ-साथ विश्वविद्यालय द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओं से अवगत कराया गया।

➢ **डॉ. उमाकांत बेहरा, निदेशक शिक्षा,** ने 8 फरवरी 2024 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर का भ्रमण किया तथा शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत की। डॉ. बेहरा महाविद्यालय की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों पर प्रसन्नता जताई तथा बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

➢ **स्नातक (ऑनर्स) कृषि के छात्रों के लिए अखिल भारतीय शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया,** 10-02-2024 से 16-02-2024 तक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली का बैच 2021-25 ने गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून और वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में अनुसंधान फार्मों, प्रयोगात्मक परीक्षणों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, संग्रहालय सहित कई अन्य स्थानों का भ्रमण किया। छात्रों ने अपनी यात्रा के दौरान परिसर के वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ बातचीत भी की।

➢ **ई-समिट 2024 में कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीक महाविद्यालय की ई-सेल की टीम उपविजेता** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा की ई-सेल की टीम ने दिनांक 2 से 4 फरवरी 2024 तक आईआईटी मुंबई में राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती (एनईसी) के तहत आयोजित अखिल भारतीय ई-शिखर सम्मेलन प्रतियोगिता में 70,000 रुपये नकद के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस एडवांस ट्रैक प्रतियोगिता में पूरे देश के 900 कॉलेजों ने भाग लिया था। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा की ई-सेल की टीम को बेसिक ट्रैक प्रतियोगिता में पिछले वर्ष के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर एडवांस ट्रैक प्रतियोगिता में सीधी प्रविष्टि मिली। इस वर्ष 1500 कॉलेजों ने बेसिक और एडवांस ट्रैक प्रतियोगिता दोनों में भाग लिया। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के अधिष्ठाता ने इस असाधारण प्रदर्शन के लिए छात्रों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

➢ **सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा, ने स्नातक ऑनर्स 5वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए चार (04) दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया,** सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय ने दिनांक 14.2.2024 से 17.02.2024 तक स्नातक ऑनर्स 5वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। यात्रा के दौरान छात्रों को बुनकर सेवा केंद्र, वाराणसी, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी और भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी जैसे विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में जाने का अवसर मिला।

➢ **स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट,** प्लेसमेंट सेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन कर रहा है। पिछले फरवरी में प्लेसमेंट सेल ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए कुल 06 कंपनियों को

आमंत्रित किया था जिसमें मदर डेयरी, नई दिल्ली, जीविका, पटना, प्रधान, नोएडा, सत्या माइक्रो कैपिटल, नई दिल्ली, रैलिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा टैफे, चेन्नई शामिल हैं। इन कंपनियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 27 छात्रों का चयन किया है। प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 05 बीटेक (कृषि अभियान्त्रिकी) 03 बीएसी (कृषि) 02 बीएफएसी (मत्स्य पालन) 14 एमबीए (कृषि-व्यवसाय) और 03 एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) के छात्र शामिल हैं।

इन सभी छात्रों की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने चयनित छात्रों को अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **सीमिट (CIMMYT), मेक्सिको के प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय का भ्रमण किया** डॉ. वेलु गोविंदन, गेहूं प्रजनक, सीमिट और डॉ. कीथ गार्डनर, आनुवंशिकीविद्, सीमिट, मेक्सिको ने डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के गेहूं प्रायोगिक क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होने विश्वविद्यालय के गेहूं अनुसंधान कार्यक्रम में लगे शोधकर्ताओं और छात्रों से बातचीत की। प्रतिनिधियों ने स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता की उपस्थिति में सीमिट और विश्वविद्यालय के बीच चल रहे गेहूं अनुसंधान कार्यक्रम और सहयोगात्मक अनुसंधान के संभावित तरीकों पर चर्चा की।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मसाला क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया,** मसालों पर भा.कृ. अनु. प.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, ढोली ने मसाला बोर्ड, कोच्चि, केरल, तथ वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दिनांक 29.02.2024 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में एक दिवसीय मसाला क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा किया गया। इस अवसर पर, श्री बी.एन.झा, निदेशक (विपणन), मसाला बोर्ड, कोच्चि, केरल, के साथ निदेशक अनुसंधान और अधिष्ठाता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस बैठक में नेपाल के 05 आयातकों, 30 मसाला निर्यातकों, 150 हल्दी उत्पादकों और 35 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। माननीय कुलपति ने अपने उद्घाटन भाषण में बिहार को मसाला निर्यात में अग्रणी रूप में स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय के पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **किसान मेला 2024**

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 24-26 फरवरी 2024 के दौरान तीन दिवसीय किसान मेला-"खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा की ओर" विषय पर सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसका उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय उप मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। साथ हीं श्री रामनाथ ठाकुर, माननीय सांसद, राज्यसभा, डॉ. पी. एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति, श्री सुधांशु शेखर दास, प्रबंधक, पी. एन. बी. क्षेत्रीय कार्यालय उपस्थित रहे। भा.कृ.अनु. प. की विभिन्न संस्थानों, राज्य विश्वविद्यालयों और नाबार्ड, पीएनबी, बीसा (BISA), जैसे अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने किसान मेले में भाग लिया और अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया। किसान मेले के दूसरे और तीसरे दिन बिहार विधान सभा के माननीय सदस्य श्री महेश्वर हजारी और बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के माननीय कुलपति श्री दिनेश चंद राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, राज्य भर के सैकड़ों किसान, छात्र और

अन्य हितधारक किसान मेले में शामिल हुए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और अन्य संगठनों के विभिन्न संस्थानों द्वारा कृषि संबंधी प्रौद्योगिकियों, कृषि उपकरणों गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री और बीज, कीटनाशकों और रसायनों के प्रदर्शन के लिए कुल 180 स्टॉल लगाये गये थे। मेले में लगभग 7000 किसानों ने भाग लिया।

➢ **तीन दिवसीय आत्मनिर्भर कृषि सह बागवानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला-2024 का आयोजन दिनांक 10-12 फरवरी, 2024 :** तीन दिवसीय "आत्मनिर्भर कृषि सह बागबानी विस्तार एवं पशुधन कल्याण मेला-2024" का उद्घाटन कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी में श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, मोतिहारी और पूर्व कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ साथ हीं डॉ नीलम पटेल, वरिष्ठ सलाहकार (कृषि) नीति आयोग, भारत सरकार, माननीय कुलपति, डॉ. पी. एस. पाण्डेय, डॉ. लाल बाबू गुप्ता जी, उप महापौर, मोतिहारी, श्री गणेश पासवान, डीपीएम, जीविका, निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. एम. एस. कुंडू और सम्मानित निदेशकों और अधिष्ठाताओं की उपस्थिति भी रही। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने किसानों को प्रोत्साहन दिया और कार्यक्रम को संबोधित किया। कृषि विज्ञान केंद्र की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए एफएसएसएआई (FSSAI) के लाइसेंस प्राप्त मूल्य वर्धित उत्पादों को लॉन्च किया गया और मेले के उद्घाटन समारोह में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा "सफ़लता की कहानी किसान की जुबानी" और "उन्नत तकनिकी और आत्म निर्भर कृषि" नामक दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र सुखेतः** दिनांक 19-23 फरवरी 2024 के दौरान मारन टोल गांव, रखवाड़ी, (मदुबानी) में 5 दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम और "प्राकृतिक खेती" पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 5 दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और 118 किसानों ने एक दिवसीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम में भाग लिया। दोनों आयोजनों के प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की पद्धतियों के साथ-साथ बीजामृत, घनामृत, नीमास्त्र, बारामास्त्र आदि की तैयारी और उपयोग जैसी विभिन्न पादप प्रबंधन से संबंधित पूरी जानकारी प्रदान की गयी। इसी प्रकार टीएसपी (जनजातीय और अनुसूचित जाति) कार्यक्रम के तहत पचमानिया गांव (मधुबानी) में "प्लांट पैरासिटिक निमेटोड का प्रबंधन" विषय पर ऑफ कैंपस जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति समुदाय के कुल 100 (पुरुष-10; महिला-90) किसानों ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केन्द्र वैशालीः** कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली टीम द्वारा तैयार एक प्रसार बुलेटिन (उत्पाद सूची), माननीय उप मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री, बिहार सरकार, तथा माननीय कुलपति, द्वारा अन्य उच्च अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दिनांक 24.02.2024 को किसान मेला-2024 के उद्घाटन सत्र के अवसर पर जारी किया गया।

➢ **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने कृषि-बिहार मेला-2024 में भाग लिया।**

अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने दिनांक 8-11 फरवरी, 2024 तक एग्रो-बिहार मेले में भाग लिया जहाँ उन्होंने कृषि मंत्रालय के कृषि विभाग में एक नया कृषि इंजीनियरिंग निदेशालय स्थापित करने के लिए

विचार दिए। माननीय कृषि सचिव, बिहार सरकार ने भी कई सकारात्मक सुझाव दिए। महाविद्यालय के शिक्षकों ने सीआईआई द्वारा प्रायोजित 9 फरवरी 2024 को पटना में एग्रो-बिहार 2024 में 'वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीतियों' पर व्यवसाय से सरकार तक (B2G) संवाद में भाग लिया। इस कार्यक्रम में बिहार और अन्य राज्यों के लगभग 40 निर्माताओं ने भाग लिया और बिहार में मशीनीकरण स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण इनपुट और प्रतिक्रिया दी।

पुरस्कार, मान्यताएं एवं अन्य गतिविधियाँ

➢ **डॉ. अब्दुस सत्तार, सह-प्राध्यापक, कृषि मौसम विज्ञान ने** 8-10 फरवरी 2024 के दौरान बीएचयू, वाराणसी में आयोजित जलवायु परिवर्तन और कृषि पारिस्थितिकी तंत्रः खतरे, अवसर और समाधान (AGMET- 2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में "फेलो ऑफ द एसोसिएशन ऑफ एग्रोमेटियोलॉजिस्ट (FAAM)" का पुरस्कार प्राप्त किया।

➢ **आमंत्रित व्याख्यान :** डॉ. उमाकांत बेहरा, निदेशक शिक्षा ने दिनांक 13.02.2024 को एमपीयूएटी (MPUAT), उदयपुर, राजस्थान द्वारा "प्राकृतिक खेती में कृषि प्रणाली दृष्टिकोण" के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में "प्राकृतिक खेती-संसाधन संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन का एक मार्ग" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

➢ डॉ. उमाकांत बेहरा, निदेशक शिक्षा ने दिनांक 8 फरवरी, 2024 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा में परियोजना कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक में कृषि क्षेत्र संवर्धन निधि के अंतर्गत आयोजित नाबार्ड कार्यक्रम में "जलवायु प्रतिरोधी कृषि और ग्रामीण जैव-उद्यमिता के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में डॉ. पी. एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति और डॉ. एम. एस. कुंडू ने बैठक में क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और ग्रामीण विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर प्रतिभागियों को संबोधित किया।

➢ **पोस्ट-हार्वेस्ट प्रयोगशाला, टी. सी. ए., ढोली अब एफएसएसएआई (FSSAI) पंजीकृत और प्रमाणित प्रयोगशाला है।**

पोस्ट-हार्वेस्ट प्रयोगशाला, टी. सी. ए., ढोली अब एफएसएसएआई (FSSAI) पंजीकृत और प्रमाणित प्रयोगशाला है। पंजीकरण प्रमाण पत्र सं. 20424331000106 है।

मानव संसाधन विकास

➢ **21 दिवसीय भा. कृ. अनु. प. प्रायोजित विंटर स्कूल का आयोजन** भा. कृ. अनु. प. प्रायोजित 21 दिनों का 'विंटर स्कूल का आयोजन 'कृषि कीटों में कीटनाशक प्रतिरोध और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल चालकों के रूप में एपिजेनेटिक विनियमन' विषय स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा 29 जनवरी से 18 फरवरी 2024 तक किया गया जिसका समापन माननीय कुलपति की अध्यक्षता में किया गया।

➢ डॉ. संजय कुमार पटेल, प्रोफेसर, एवं आई. बी. भगत , सहायक प्राध्यापक , कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने दिनांक 12-13 फरवरी, 2024 के दौरान आईआईटी, गुवाहाटी में 5जी यूज केस लैब पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **आत्मनिर्भर किसानों और विकसित भारत के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियां" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन** "आत्मनिर्भर किसानों और विकसित भारत के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियां" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 11 फरवरी 2024 को कृषि विज्ञान केन्द्र,

पिपराकोठी में किया गया , जिसमें हाइब्रिड मोड के माध्यम से देश भर से कुल 407 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विदेश से भी वक्ताओं ने भाग लिया किया।

➢ **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा में एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित,** दिनांक 24, 25 और 26 फरवरी 2024 के दौरान प्रसंस्करण और खाद्य इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा में "प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" पर एक तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिस में कुल 147 किसानों (140 महिलाओं + 7 पुरुषों) ने भाग लिया। बिहार के मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जिलों के गोरौल, लदौरा, बीरसिंहपुर, कल्याणपुर और थहरा गोपालपुर गांवों के एससी/एसटी समुदाय के किसानों ने भाग लिया। किसानों को प्रशिक्षित किया गया और व्याख्यानों के साथ-साथ फसल कटाई के बाद की विभिन्न प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनों और प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से जागरूक किया गया ।

➢ **कृषि मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव पर "कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन** "फार्म मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव" पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम और द्वितीय बैच का क्रमशः समापन और उद्घाटन समारोह दिनांक 29 फरवरी 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैशाली, मधुबनी, बेगुसराय और समस्तीपुर जिले के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान रिशु कुमार ए. डी. (ए. ई.) समस्तीपुर और विभाग के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अपनी संतोषजनक प्रतिक्रिया दी।

➢ **"खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन-कृषि महिलाओं के उद्यमिता विकास के लिए एक अवसर" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम,** कृषि में महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियाजन के तहत "खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन-कृषि महिलाओं के उद्यमिता विकास के लिए एक अवसर" पर तीन (03) दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 फरवरी से 29 फरवरी, 2024 के दौरान सामुदायिक कृषि महाविद्यालय, पूसा में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषि महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण, अनाज, बाजरा और दाल आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों की तैयारी के लिए प्रशिक्षण दिया गया। खाद्य उत्पादों की क्षमता निर्माण एवं उनकी पैकेजिंग के लिए एक तकनीकी सत्र भी आयोजित किया गया।

➢ **निमेटोड जागरूकता कार्यक्रम सह टी. एस. पी (जनजातीय उप योजना) का आयोजन,** अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियाजन के तहत प्लांट पैथोलॉजी और निमेटोलॉजी विभाग, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा द्वारा दिनांक 17.02.2024 को जिले के झांझरपुर ब्लॉक के पंचमानिया गांव में निमेटोड जागरूकता कार्यक्रम सह टीएसपी (जनजातीय उप योजना) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों और कृषि महिलाओं ने भाग लिया। विभाग के वैज्ञानिकों ने अनुसूचित जनजाति समुदाय के बीच इनपुट (कुदाल और खुरपी) वितरित किए और किसानों को मानव और पशु परजीवी निमेटोड्स के

महत्व, पौधे परजीवी निमेटोड्स, उनके लक्षणों, नुकसान और उनकी पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन तकनीकों के बारे में बताया गया। किसानों को निमेटोड पर फोल्डर भी वितरित किए गए।

➢ **आर्या (ARYA) क्षेत्रीय कार्यशाला,** दिनांक 22.02.2024 को गया में 2 दिवसीय आर्या क्षेत्रीय कार्यशाला के दौरान रामपुर नौसाहन, वैशाली के केले फाइबर उद्यमी जगत कल्याण ने एक परियोजना प्रस्तुत की। उन्हें परियोजना के लिए डॉ. कोकाटे, डीडीजी एक्सटेंशन, डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक-अटारी और अन्य उच्च अधिकारियों द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र से भी सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के नए अधिकारियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी

➢ **डॉ. अनिल कुमार सिंह, निदेशक, ईंख अनुसंधान संस्थान, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि.पूसा, ने दिनांक 21.02.2024 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के निदेशक अनुसंधान के पद पर नियुक्ति दी है।** उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के कुबा खास में जन्मे डॉ. सिंह ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की डिग्री पूर्ण की है। उन्होंने प्रोफेसर/प्रधान वैज्ञानिक के रूप में 24 वर्षों से अधिक अनुभव के साथ अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रसार में 33 वर्ष से अधिक का अनुभव प्राप्त है। वह 24 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं और 110 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं, 35 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं और 45 विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रधान-अनुसंधानकर्ता और सह-अनुसंधानकर्ता के रूप में सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। सीआईआरएडी (CIRAD)-फ्रांस में गन्ना फसल मॉडलिंग, बीजिंग, चीन में दक्षिण एशियाई देशों के लिए कृषि प्रौद्योगिकी नवाचार पर उनका अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन सराहनीय है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 80 शोध पत्र, 15 समीक्षा लेख, 76 लोकप्रिय लेख, 9 पुस्तकें, 56 प्रशिक्षण मैनुअल और लघु संचार, नीतिगत मुद्दों पर 04 पत्र प्रकाशित हुए हैं।

डॉ. सिंह भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित राजीव गांधी ज्ञान विज्ञान राष्ट्रीय पुरस्कार 2012, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद द्वारा वर्ष 2013 में डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार, , नोएल डियर स्वर्ण पदक, 2016, उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी, लखनऊ, 2016, प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार, बीएचयू, 2019, फेलो ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी, 2021 सहित कई पुरस्कारों और सम्मानों के गौरवपूर्ण प्राप्तकर्ता भी हैं।

➢ **सरस्वती पूजा समारोह,** माननीय कुलपति की उपस्थिति में 14 फरवरी, 2024 को रा०प्र०के०कृ०वि०, पूसा, बिहार में सरस्वती पूजा समारोह आयोजित हुआ। सभा में रा०प्र०के०कृ०वि० के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र आए एवं ज्ञान की देवी माता सरस्वती की पूजा अर्चना की।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

➢ **श्री विजय कुमार सिन्हा**
उप मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री, बिहार सरकार
दिनांक : 24-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री सूर्य प्रताप शाही**
कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश सरकार
दिनांक : 12-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री रामनाथ ठाकुर**
राज्यसभा सांसद
दिनांक : 24-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री सुधांशु शेखर दास**
जोनल मैनेजर, पंजाब नेशनल बैंक
दिनांक : 24-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री आबिद सिद्दीकी**
एमडी, सर्किल हेड, पंजाब नेशनल बैंक
दिनांक : 24-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **पद्मश्री श्रीमती राजकुमारी देवी (किसान चाची)**
दिनांक : 24-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री महेश्वर हजारी**
बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष
दिनांक : 25-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **श्री राकेश कुमार**
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर
दिनांक : 25-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **प्रो. दिनेश चंद राय**
कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर
दिनांक :26-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

➢ **डॉ. आर. के. जाट**
अध्यक्ष, बोरलॉग इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशिया, केंद्र पूसा
दिनांक :26-02-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ दिनांक 29 फरवरी 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए एक विदाई समारोह का आयोजन माननीय कुलपति की उपस्थिति में किया गया।

1. **श्री रवि प्रकाश सिंह**
   वरीय तकनिकी पदाधिकारी
   कृषि अर्थशास्त्र विभाग
2. **श्री अशोक कुमार साहू**
   तकनिकी पदाधिकारी
   अनुसंधान निदेशालय
3. **श्री दीपक कुमार सिन्हा**
   सहायक, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय
4. **श्री चंद्रदेव राय**
   कुशल भारवाही कर्मचारी, कैटल फार्म, पूसा
5. **श्री योगेंद्र पंडित**
   कुशल भारवाही कर्मचारी, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
6. **श्री पियारे साहनी**
   कुशल भारवाही कर्मचारी, बागवानी विभाग, पूसा
7. **श्री राज नारायण राय**
   कुशल भारवाही कर्मचारी, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in